समाज कार्य परामर्श में स्नातकोत्तर उपाधि

(एम.एस.डब्ल्यू. परामर्श प्रथम वर्ष)

सत्रीय कार्य : 2026–2027

पाठ्यक्रम शीर्षक

एम.एस.डब्ल्यू–001	:	समाज कार्य का उद्गम और विकास
एम.एस.डब्ल्यू–002	:	व्यावसायिक समाज कार्य : भारत परिप्रेक्ष्य
एम.एस.डब्ल्यू–005	:	समाज कार्य में प्रयोग और पर्यवेक्षण
एम.एस.डब्ल्यू–008	:	सामाजिक समूह कार्य : समूहों के साथ कार्य करना
एम.एस.डब्ल्यू–009	:	सामुदायिक विकास के लिए समुदाय संगठन प्रबंधन

अध्ययन केंद्र में सत्रीय कार्य जमा कराने की अन्तिम तारीखः

जुलाई,2026 सत्र – 31 मार्च,2027

जनवरी,2027 सत्र – 30 सितम्बर,2027

इग्नू जन-जन का विश्वविद्यालय

समाज कार्य विद्यापीठ

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110 068

प्रिय शिक्षार्थी,

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के समाज कार्य (परामर्श) में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (प्रथम वर्ष) में आपका स्वागत है। आपने समाज कार्य में स्नातकोत्तर होने के लिए यह कार्यक्रम एक उद्देश्य के साथ चुना है ताकि आप मानवजाति की सामाजिक दशाएं सुधार सकें।समाज कार्य (परामर्श) कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए, कृपया निम्नलिखित बातों का पालन करें:

अपना अध्ययन आरंभ करने से पहले कार्यक्रम दर्शिका को पढ़िए। इससे इग्नू के समाज कार्य (परामर्श)कार्यक्रम का अध्ययन करने के बारे में आपके अधिकतर संदेह दूर हो जाएंगे।

- आप अपने सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र में समय पर जमा कराएं।
- अपने अध्ययन केंद्र और क्षेत्रीय केंद्र के संपर्क में रहें।
- क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षण के लिए अध्ययन केंद्र में अपने क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक से मिलें।
  परीक्षा फार्म समय पर भरें।

सत्रीय कार्य एक खुली किताब है और हम इग्नू में प्रत्येक पाठ्यक्रम के समग्र ग्रेड की गणना करते समय सत्रीय कार्यों के लिए30% भारित देते हैं।**सत्रीय कार्य हस्तलिखित और स्वहस्ताक्षरित होने चाहिए।** सत्रीय कार्य–प्रतिक्रिया का एक अच्छा सेट तैयार करने के लिए आप उन सभी अध्यायों को पढ़े जिनमें से सवाल तैयार किए गए हैं। आप अपने सहकर्मी, शैक्षिक परामर्शदाताओं और प्रोफेसरों के साथ चर्चा करें, जिन्होंने आपको पढ़ाया है। मसौदा तैयार करें, उस पर आवश्यक सुधार करें और तब अंतिम संस्करण अध्ययन केंद्र में प्रस्तुत करने के लिए तैयार करें।

हर सवाल का जवाब देने के लिए नया पृष्ठ शुरू करें। लंबे और मध्यम जवाब देने के लिए एक परिचय, मुख्य भाग के लिए एक उप–शीर्षक और एक निष्कर्ष हो। प्रत्येक अनुच्छेद के बीच एक लाईन छोड़ें। आपके जवाब विशिष्ट हों और आपके अपने शब्दों में हो, यह किताब की नकल ना हो। आपके उत्तर इग्नू के पठन सामग्री पर आधारित हों। सत्रीय कार्य आपके सत्रांत परीक्षा की तैयारी है, इसलिए इसे गंभीरतापूर्वक लें।

डॉ. एन. रम्या
(कार्यक्रम समन्वयक)

समाज कार्य का उद्‌गम और विकास
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–001
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) विभिन्न महाद्वीपों में समाज कार्यों के ऐतिहासिक विकास की चर्चा करें। 20

अथवा

एक पेशेवर अनुशासन के रूप में समाज कार्य की प्रकृति, विशेषताओं, दर्शन और दायरे की आलोचनात्मक जांच करें। 20

2) समाज कार्य के तीन प्राथमिक तरीकों की व्याख्या करें और उनके उद्देश्यों, सिद्धांतों और व्यावसायिक अभ्यास के दायरे को उजागर करें। 20

अथवा

समाज कार्य अभ्यास में समाज कल्याण प्रशासन के दायरे, कार्यों और महत्व का वर्णन करें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **300** शब्दों में) दीजिएः

क) एक पेशे के रूप में समाज कार्य की प्रमुख विशेषताओं की चर्चा करें। यह दान और स्वैच्छिक कार्रवाई से कैसे अलग है? 10

ख) उपयुक्त उदाहरणों के साथ दान, स्वैच्छिक कार्रवाई, श्रमदान और व्यावसायिक सामाजिक कार्य के बीच अंतर करें। 10

ग) संयुक्त राज्य अमेरिका में समाज कार्य शिक्षा का इतिहास लिखें। 10

घ) समाज कार्य अनुसंधान की अवधारणा की व्याख्या करें और समाज कार्य अभ्यास में इसके योगदान पर चर्चा करें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **150** शब्दों में) दीजिएः

क) समाज कार्यों के विकास में धर्मार्थ संगठन सोसायटी (सीओएस) के योगदान को लिखें। 5

ख) समाज कार्य शिक्षा में वैश्विक मानकों के उद्भव पर संक्षेप में चर्चा करें। 5

ग) सामाजिक सुरक्षा क्या है? इसके दायरे और महत्व का वर्णन कीजिए। 5

घ) सामाजिक अनुसंधान और समाज कार्य अनुसंधान के बीच अंतर बताइए। 5

ङ) सामाजिक कार्रवाई में उपयोग की जाने वाली प्रमुख रणनीतियों की व्याख्या करें। 5

च) सामाजिक आंदोलनों की मुख्य विशेषताओं और समाज कार्यों के लिए उनकी प्रासंगिकता की व्याख्या करें। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (लगभग **100** शब्दों में) लिखिएः

क) बेवरिज रिपोर्ट 4

ख) आईएफएसडब्ल्यू 4

ग) सामाजिक नेटवर्क 4

घ) सामाजिक सुरक्षा 4

ङ) सामाजिक सुधार 4

च) समाज कल्याण 4

छ) पारिस्थितिक परिप्रेक्ष्य 4

ज) जनहित याचिका 4